

सियासत में जलेबी, चूटना और लड़का

दैनिक समाज जागरण

मुझे इजराइल-लेबनान युद्ध पर नहीं लिखना। मैं फिलहाल चिराग पासवान पर भी नहीं लिखना चाहता। मैं जलेबी और चूरमा पर लिख रहा हूँ, क्योंकि मुझे लगता है कि मौजूदा कड़वी सियासत के दौर में जलेबी और चूरमा ज्यादा बेहतर विषय है लिखने के लिए। फिलहाल जलेबी और चूरमा पर हिन्दू-मुसलमान की छाप भी नहीं पड़ी है, इसलिए वे अब तक समरसता का बोध कराने वाले मिष्ठान हैं। आप मानें या न मानें लेकिन हकीकत ये है कि कड़वाहट से भरे नेताओं को भी मिष्ठान प्रिय होते हैं, भले ही नेता मधुमेह के शिकार हों। मिष्ठान सामने आ जाये तो पीछे नहीं हटता। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और ग्वालियर के सपूत्र अटल बिहारी बाजपेयी को बहादुरा के लड्डू और गुलाब जामुन प्रिय थे, हालांकि वे चाची के मंगौड़ों के भी मुरीद थे मुझे लगता है की भाजपा ने यहीं से मंगौड़े तलने की बात शुरू की थी। जब तक अटल जी रोग शैव्या पर नहीं गए थे तब तक इन लड्डूओं और मंगौड़ों का सेवन करते रहे। बाजपेयी जी से मिलने वाले उनके इश्तेदार हों या और कोई यदि उन्हें बहादुरा के लड्डू भेट करते थे तो उनके मुखमंडल पर एक स्निग्ध मुस्कान तैरने लगती थी। पूर्व राष्ट्रपति डॉ शंकर दयाल शर्मा जलेबी कि शौकीन थे। वे राष्ट्रपति भवन में खिलते थे। हाल ही में तिरुपति के प्रसादम में मिलने वाले लड्डूओं के विवाद के बाबूजूद ग्वालियर में न बहादुरा के लड्डूओं के प्रेमियों की संख्या कम हुई है और न लखनऊ में ठग्गू के लड्डूओं की। लड्डू हैं ही ऐसी मिठाई जिसे हर जाति और धर्म के लोग खाते हैं। लड्डू मेरे हिसाब से मिठाइयों का राजा है कायदे से उसे अब रक राष्ट्रीय मिष्ठान घोषित कर देना चाहिए था। मुमुक्षन है की महाराष्ट्र सरकार ने जैसे हाल ही में गाय को राज्य माता का दर्जा दिया है वैसे ही आने वाले दिनों में कोई लड्डू प्रेमी सरकार लड्डू को भी राज्य या राष्ट्र मिष्ठान का दर्जा दे दे। हमारे यहां दर्जा देना या पेरोल देना बहुत आसान काम है।

हरियाणा विधानसभा के चुनाव प्रचार में गोहाना पहुँचे लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता और भाजपा के सर पर चढ़े भूत राहुल गांधी भी जलेबी नाम के एक मिष्ठान के मुरीद हो गए। गोहाना की चुनवाई सभा के मंच पर राहुल गांधी ने मातृगम हलवाई की जलेबी का स्वाद चखा। दीपेंद्र हुड्डा ने राहुल गांधी को अपने हाथों ये जलेबी खिलाई। राहुल को इसका स्वाद इतना पसंद आया कि उन्होंने एक डिब्बा अपनी बहन प्रियंका गांधी के लिए पैक करवा लिया। उन्होंने अपनी रैली में भी इस जलेबी का जिक्र किया। बता दें कि लाला मातृगम की जलेबी कोई सामान्य जलेबी नहीं है, इनका आकार



राहुल और जलेबी

ब्रह्मपादिणी द्वितीय

माँ दुर्गा की नवशक्तियों का दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। यहाँ ब्रह्म शब्द का अर्थ तपस्या है। ब्रह्मचारिणी अर्थात् तप की चारिणी-तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी देवी का स्वरूप पूर्ण ज्योतिर्संयुक्त अत्यन्त भल्लू है। इनके दाहिने हाथ में जप की माला



वह निजल आर निराहर रह कर ब्रत करता रहा। पत्तों को भी छोड़ देने के कारण उनका नाम 'अपर्णा' भी पड़ा। इस कठिन तपस्या के कारण ब्रह्मचारिणी देवी का पूर्वजन्म का शरीर एकदम क्षीण हो गया था। उनकी यह दशा देखकर उनकी माता मैना देवी अत्यन्त दुखी हो गयी। उन्होंने उस कठिन तपस्या विरत करने के लिए उन्हें आवाज दी उमा, और नहीं। तब से देवी ब्रह्मचारिणी का पूर्वजन्म का एक नाम 'उमा' पड़ गया था। उनकी इस तपस्या से तीनों लोकों में हाहाकार मच गया था। देवता, ऋषि, सिद्धगण, मुनि सभी ब्रह्मचारिणी देवी की इस तपस्या को अभूतपूर्व पुण्यकृत्य बताते हुए उनकी सराहना करने लगे। अन्त में पितामह ब्रह्मा जी ने आकाशवाणी के द्वारा उन्हें सम्बोधित करते हुए प्रसन्न स्वरों में कहा- 'हे देवी। आज तक किसी ने इस प्रकार की ऐसी कठोर तपस्या नहीं की थी। तुम्हारी मनोकामना सर्वतोभावेन पूर्ण होगी। भगवान चन्द्रमौलि शिव जी तुम्हें पति रूप में प्राप्त होंगे। अब तुम तपस्या से विरत होकर धर

लौट जाओ।' माँ दुर्गा का यह दूसरा स्वरूप भक्तों को अनन्त फल देने वाला है। इनकी उपासना से मनुष्य में तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार व संयम की वृद्धि होती है। सर्वत्र सिद्धि और विजय प्राप्त होती है। दुर्गा पूजा के दूसरे दिन इन्हीं के स्वरूप की उपासना की जाती है। इस दिन साधक का मन स्वाधिष्ठान चक्र में होता है। इस चक्र में अवस्थित मन वाला योगी उनकी कृपा और भक्ति प्राप्त करता है। जीवन के कठिन संघर्षों में भी उसका मन कर्तव्य-पथ से विचलित नहीं होता। माँ ब्रह्मचारिणी देवी की कृपा से उसे सर्वत्र सिद्धि और विजय प्राप्त होती है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सार्डि प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरैला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: <https://samajjagrani.in/> Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

